Startalk Hindi Language & Culture Camp, 2013

Balvihar Hindi School Atlanta VHPA

Summative Assessment- Advance

Teacher Smita Daftardar

Unit Theme - Summative task (End of Curriculum) on Knowledge of Bhara and its Science

ACTIVITY 1

Time- 1 hr 30 mins, 25th July

Level-Advance

Group Type- Whole class

Instructions for students:

Interpretive task:

दिया गया लेख पढ़िए

दो विद्यार्थी साथ मिल कर लेख पर आधारित ५ सवाल बनाएँ और लिखें।

Interpersonal task:

अपने दल में ये सवाल एक दूसरे से पूछें।

Presentational Task:

आपने जो पढ़ा उसके बारे में दूसरे दल को बताएँ ।

Interpersonal and Presentational task:

अंत में, अपने दल के साथ मिलकर इस पूरे लेख के लिए उचित शीर्षक लिखें। लेख पर आधारित एक slogan बनाएँ ।

अण्णा हज़ारे

Group 1

अन्ना हज़ारे का विचार है कि भारत की असली ताकत गाँवों में है और इसीलिए उन्होंने गाँवों में विकास की लहर लाने के लिए मोर्चा खोला। अन्ना हज़ारे ने सेना से रिटायरमेंट के तुरंत बाद 1975 से सूखा प्रभावित रालेगाँव सिद्धि में काम शुरू किया। इस गांव में बिजली और पानी की जबरदस्त कमी थी। इस गांव में गरीबी अपने चरम पर थी। गांव में शराब आदि का अवैध व्यापार होता था। इस गांव में मौजूद इकलौता डैम भी टूट चुका था। लोगों का जीवन कठिन था। जहाँ औसतन सालाना वर्षा 400 से 500 मि. मी. ही होती थी, गाँव में जल संचय के लिए कोई तालाब नहीं थे। उनका गाँव पानी के टैंकरों और पड़ोसी गाँवों से मिले खाद्यान्न पर निर्भर रहता था। अन्ना ने लोगों को समझाया। उनका सहयोग लिया और छोटी-छोटी नहरों द्वारा पास की पहाड़ी से पानी लाकर सिचाई की अच्छी व्यवस्था की। अण्णा ने गांव वालों को गड्ढे खोदकर बारिश का पानी इकट्ठा करने के लिए प्रेरित किया और खुद भी इसमें योगदान दिया। हजारे ने गांव के लोगों से अपील की कि वे सामूहिक रूप से मिलकर डैम का पुन: निर्माण करें। लोगों ने मिलकर डैम को दोबारा बनाया और सात नए कुएं खोदकर गांव के लोगों ने पहली बार इसमें पानी भरा। इसके बाद से वर्तमान में गांव के लोगों के पास सालभर पानी पर्याप्त मात्रा में मौजूद रहता है। अब अच्छी फ़सलें उगने लगीं । अण्णा के कहने पर गांव में जगह-जगह पेड़ लगाए गए। इसके साथ ही आज गांव में अनाज बैंक, मिल्क बैंक और स्कूल है।

> गांव में सौर ऊर्जा और गोबर गैस के जरिए बिजली की सप्लाई की गई। अब गांव से गरीबी पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। लोगों के जीवन में खुशियां आने लगीं और रालेगन सिद्धी एक आदर्श गांव बन गया, जो देश के सामने एक मिसाल था। उन्होंने अपने बलबूते वर्षा जल संग्रह, सौर ऊर्जा, बायोगैस का प्रयोग और पवन ऊर्जा के उपयोग से गाँव को स्वावलंबी और समृद्ध बना दिया। यह गाँव विश्व के अन्य समुदायों के लिए आदर्श बन गया है।

Group 2

गांव में सौर ऊर्जा और गोबर गैस के जरिए बिजली की सप्लाई की गई। अब गांव से गरीबी पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। लोगों के जीवन में खुशियां आने लगीं और रालेगन सिद्धी एक आदर्श गांव बन गया, जो देश के सामने एक मिसाल था। उन्होंने अपने बलबूते वर्षा जल संग्रह, सौर ऊर्जा, बायोगैस का प्रयोग और पवन ऊर्जा के उपयोग से गाँव को स्वावलंबी और समृद्ध बना दिया। यह गाँव विश्व के अन्य समुदायों के लिए आदर्श बन गया है।

विश्व बैंक ने भी इस गांव के बारे में कहा है कि इस गांव में जबरदस्त परिवर्तन हुआ और कभी गरीब रहा यह गांव आज देश के सबसे अमीर गांव में से एक है।

पहले इस गांव के लोगों की प्रति व्यक्ति आय 250 रुपए थी और वर्तमान में लोगों की प्रति व्यक्ति 2500 रुपए है। ये हजारे के ही प्रयास हैं कि गांव के गरीब आज नशेबाजी छोड़कर आत्मनिर्भर बन गए हैं। गांव में ग्रामीणों ने शराब पूरी तरह से छोड़ दी है और वहां शराब की बिक्री नहीं होती है। दुकानदार पिछले 13 वर्षो से सिगरेट, बीड़ी, तंबाकू आदि नहीं बेच रहे हैं। पहले गांव में 300 लीटर दूध रोजाना बेचा जाता था, जो कि अब 4,000 लीटर बेचा जाता है।

हजारे के नेतृत्व में यहां लोगों ने अनगिनत पेड़ लगाए, मिट्टी के कटाव को रोकने के प्रयास किए, बारिश का पानी रोकने के लिए नहरें बनवाईं। हजारे के प्रयासों ने इस गांव को पूरी दुनिया के सामने मिसाल बना दिया है। यहां के लोग आज अधिक से अधिक सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा यहां बायोगैस और पवन चक्की का भी प्रयोग किया जाता है। गांव की असली ताकत यहां गैर-परंपरागत ऊर्जा का इस्तेमाल करना है। उदाहरण के लिए यहां की सड़कों पर लगी सभी लाइटें सौर ऊर्जा से जलती हैं और प्रत्येक लाइट के लिए एक अलग सोलर पैनल है। आज गाँव का हर शख़्स आत्मनिर्भर है। आस-पड़ोस के गाँवों के लिए भी यहाँ से चारा, दूध आदि जाता है। गाँव में एक तरह का रामराज है। गाँव में तो अण्णा हज़ारे ने रामराज स्थापित कर दिया है।

ACTIVITY 2
Time : 30 mins

एक पोस्टर बनाइये -

घर के प्लान का चित्र बनाएं

घर पर लगे सारे उपकरण लेबल करें और १-२ वाक्यों में वर्णन करें

कौन से त्यौहार की सजावट की गयी है लिखिये, त्यौहार के भोजन के नाम लिखें।

घर के बाहर लगे पेड़- पौधों के नाम लिखें और उनके आयुर्वेदिक फ़ायदे लिखें, मिट्टी के प्रकार लिखें।

घर पर पंच तत्वों में किस का चित्र (symbol) बनाया है बताएँ।

Assessment Rubrics: How much do you know about India?

Category	Rating Scale	Points	Comments
Vocabulary (Interpretive and interpersonal)	**1 = used new vocabulary and somewhat structures correctly in sentences** **2 = used good and new vocabulary and structures correctly**		
Speaking (Interpersonal)	**0 = not/somewhat finished and not comprehensible/correct sentences.** **1 = somewhat comprehensible/correct sentences.** **2 = completely finished and all comprehensible/correct sentences.**		
Presentation	**0 = not/somewhat finished and not comprehensible/correct questions.** **1 = somewhat comprehensible/correct questions.** **2 = completely finished and all comprehensible/correct questions.**		
Followed directions given in the activity by finishing all parts (Parts 1, 2, and 3).	**0 = somewhat finished** **1 = did finish it completely**		